The University of Burdwan

Syllabus of 3-Year Degree/ 4-Year Honours in Hindi

Under Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes (CCFUP) as per NEP, 2020

w.e.f. 2023-24

SEMESTER WISE & COURSE WISE CREDIT DISTRIBUTION STRUCTURE UNDER CCFUP AS PER NEP, 2020

Semester	Course Type With Code	Level	Course Title	Credit	Lect.	Tuto.	Prac./ Viva-voce	Full Marks	Distribution of Marks		
									Theory	Prac./ Viva- voce	Internal Assessment
SEM- I	Major/ DS Course (Core) Code: HIND1011	100 - 199	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikaal Tak)	4	3	1	0	75	60		15
	Minor Course Code:HIND1021	100- 199	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) Hindi Sahitya Ka Itihas (Ritikaal Tak)	4	3	1	0	75	60		15
	Multi/ Interdisciplinary Code: HIND1031	100- 199	हिंदी भाषा (HINDI BHASHA)	3	2	1	0	50	40		10
	Ability Enhancement Course (AEC) (L_1-1 MIL) Code: HIND1041	100- 199	हिंदी कविता कहानी और निबंध (HINDI KAVITA KAHANI AUR NIBANDH)	2	2	0	0	50	40		10
	Skill Enhancement Course (SEC) Code: HIND1051	100- 199	विज्ञापन और हिंदी (Vigyapan aur Hindi)	3	2	1	0	50	40		10
	Common Value Added (CVA) Course Code: CVA1061	100- 199	Envi mental Science/ Education	4	3	0	1	100	60	20	20
Total				20				400			

Semester	Course Type With Code	Level	Course Title	Credit	Lect.	Tuto.	Prac./ Viva-voce	Full Marks	Distribution of Marks		
									Theory	Pra	Internal Assessment
SEM- II	Major/ DS Course (Core) Code: HIND2011	100- 199	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Hindi Sahitya Ka Itihas Adhunik kaal)	4	3	1	0	75	60		15
	Minor Course Code:HIND2021	100- 199	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (Hindi Sahitya Ka Itihas Adhunik kaal)	4	3	1	0	75	60		15
	Multi/ Interdisciplinary Code: HIND2031	100- 199	हिंदी कहानी (HINDI KAHANI)	3	2	1	0	50	40		10
	Ability Enhancement Course (AEC) (L_1-1 MIL) Code: ENGL2041	100- 199	English	2	2	0	0	50	40		10
	Skill Enhancement Course (SEC) Code: HIND2051	100- 199	अनुवाद विज्ञान (Anuvad Vigyaan)	3	2	1	0	50	40		10
	Common Value Added (CVA) Course Code: CVA2061	100- 199	Understanding India/ Digital & Technological Solutions/ Health & Wellness, Yoga Education, Sports & Fitness	4	3/3	1/0	0/1	100	80/60	0/20	20
Skill based vocational course (addl.4 Cr) during summer term for 8 weeks, who will exit the programme after securing 40 cr.											
For UG Certificate 40 cr.+ Additional 4 cr. (work based vocational course) = 44 cr. Students are allowed to re-enter within 3 years and complete the programme within the stipulated max. period of 7 years											
	Total			20				400			

SEMESTER-I

MAJOR

COURSE CODE: HIND1011

Course Title:

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

(Hindi Sahitya Ka Itihas Ritikaal Tak)

Course Objective- हिंदी साहित्य के इतिहास का विशलेषणात्मक ज्ञान

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना ।

CREDIT - 4

(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)

Full Marks: 75

(Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

1) हिंदी-साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

2) काल-विभाजन और नामकरण

इकाई-दो: (15 Hours)

1) आदिकालीन काव्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, नामकरण, प्रमुख कवि- सरहपाद, चंदबरदाई, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो और उनकी प्रमुख रचनाएँ

2) सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, गद्य साहित्य और लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई-तीन: (15 Hours)

1) भक्तिकालीन काव्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ (निर्गुण एवं सगुण धारा), प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि- कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, मलिक

मुहम्मद जायसी और उनकी प्रमुख रचनाएँ, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई-चार: (15 Hours)

1) रीतिकाल: पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ

2) प्रमुख कवि- केशवदास, भूषण, बिहारी, घनानंद और उनकी प्रमुख रचनाएँ

Course Learning Outcome- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी| हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।

सहायक ग्रंथः

1.साहित्य का इतिहास दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा

2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल: हजारीप्रसाद द्विवेदी

3.मध्यकालीन बोध का स्वरूप: हजारीप्रसाद द्विवेदी

4.हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास: सुमन राजे

5.हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल

6.हिन्दी साहित्य की भूमिका: हजारीप्रसाद द्विवेदी

7.हिन्दी साहित्य का इतिहास: (सं) डॉ. नगेन्द्र

8.हिन्दी साहित्य का इतिहास: गार्सा द तासी, अनुवादक- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

9.हिन्दी साहित्य: हजारीप्रसाद द्विवेदी

10.इतिहास और आलोचना: नामवर सिंह

11.साहित्य और इतिहास-दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय

12.हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा: रमाकांत शर्मा

13.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

14.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

15.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

16.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

17.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त बुक्तस

18.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

19.हिन्दी गद्य: स्वरूप और संवेदना: रामस्वरूप चतुर्वेदी

20.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

21.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

MINOR

(For the students other than Hindi Major)

COURSE CODE: HIND 1021

Course Title:

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

(Hindi Sahitya Ka Itihas Ritikaal Tak)

Course Objective- हिंदी साहित्य के इतिहास का विशलेषणात्मक ज्ञान

इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

CREDIT - 4

(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)

Full Marks: 75

(Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-एक: (15 Hours)

1) हिंदी-साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

2) काल-विभाजन और नामकरण

इकाई-दो: (15 Hours)

1) आदिकालीन काव्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, नामकरण, प्रमुख कवि- सरहपाद, चंदबरदाई, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो और उनकी प्रमुख रचनाएँ

2) सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, गद्य साहित्य और लौकिक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई-तीन: (15 Hours)

1) भक्तिकालीन काव्य: पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ (निर्गुण एवं सगुण धारा), प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि- कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, मलिक मुहम्मद जायसी और उनकी प्रमुख रचनाएँ, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

इकाई-चार: (15 Hours)

1) रीतिकाल: पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ

2) प्रमुख कवि- केशवदास, भूषण, बिहारी, घनानंद और उनकी प्रमुख रचनाएँ

Course Learning Outcome- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी| हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

सहायक ग्रंथः

1.साहित्य का इतिहास दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा

2.हिन्दी साहित्य का आदिकाल: हजारीप्रसाद द्विवेदी

3.मध्यकालीन बोध का स्वरूप: हजारीप्रसाद द्विवेदी

4.हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास: सुमन राजे

5.हिन्दी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल

6.हिन्दी साहित्य की भूमिका: हजारीप्रसाद द्विवेदी

7.हिन्दी साहित्य का इतिहास: (सं) डॉ. नगेन्द्र

8.हिन्दी साहित्य का इतिहास: गार्सा द तासी, अनुवादक- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

9.हिन्दी साहित्य: हजारीप्रसाद द्विवेदी

10.इतिहास और आलोचना: नामवर सिंह

11.साहित्य और इतिहास-दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय

12.हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा: रमाकांत शर्मा

13.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

14.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

15.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

16.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

17.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त्त बुक्तस

18.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

19.हिन्दी गद्य: स्वरूप और संवेदना: रामस्वरूप चतुर्वेदी

20.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

21.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

MULTI / INTERDISCIPLINARY

COURSE CODE: HIND 1031

Course Title:

हिंदी भाषा

(HINDI BHASHA)

Course Objective- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास का परिचय, क्षेत्र, व्यापारिक एवं साहित्यिक क्षेत्र में हिंदी भाषा की भूमिका तथा पराधीन भारत और स्वातंत्रयोत्तर भारत में हिंदी की भूमिका।

(LECTURE- 2, Tutorial-1)

Full Marks: 50

(Theory 40, Internal Assessment 10)

इकाई - 1. (11 Hours)

हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास सामान्य परिचय, हिंदी भाषा का क्षेत्र

इकाई - 2. (11 Hours)

मध्यकालीन भारत में हिंदी भाषा की भूमिका (व्यापारिक क्षेत्र में साहित्यिक क्षेत्र में)

इकाई - 3. (11 Hours)

पराधीन भारत में हिंदी की भूमिका (फोर्ट विलियम कॉलेज, महात्मा गांधी का योगदान)

इकाई - 4. (12 Hours)

स्वातंत्रयोत्तर भारत में हिंदी की भूमिका (राजभाषा, सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी)

Course Learning Outcome- हिंदी भाषा के उद्‌भव और विकास के साथ विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा की भूमिका तथा पराधीन भारत और स्वातंत्रयोत्तर भारत में हिंदी की भूमिका से छात्र परिचित हो सकेंगे । यह अध्ययन प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु उपयोगी होगा।

सहायक ग्रंथ:

1. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी भाषा के विकास में अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह
4. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास : उदय नारायण तिवारी
5. हिंदी उद्‌भव ; विकास और रूप : हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप : राजमणि शर्मा

7. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी : सुनीति कुमार चटर्जी

8. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

9. भाषा और हिंदी भाषा: डॉ. नीरज शर्मा

AEC (MIL)

COURSE CODE: HIND 1041

Course Title:

हिंदी कविता कहानी और निबंध

(HINDI KAVITA KAHANI AUR NIBANDH)

Course Objective- हिंदी के प्रमुख कहानीकारों, कवियों और निबंधकारों से और उनकी विशेषता से परिचित हो सकेंगे।

CREDIT - 2

(LECTURE- 2)

Full Marks: 50

(Theory 40, Internal Assessment 10)

इकाई-1 (15 Hours)

(क) ईदगाह - प्रेमचंद

गुण्डा - जयशंकर प्रसाद

(ख) पेशोला की प्रतिध्वनि- जयशंकर प्रसाद

भारती वन्दना - निराला

उनको प्रणाम - नागार्जुन

हो गयी है पीर पर्वत सी - दुष्यंत कुमार

इकाई-2 (15 Hours)

(क) मित्रता - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(ख) भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई

Course Learning Outcome- हिंदी के प्रमुख कहानीकारों, कवियों और निबंधकारों की विशेषता से परिचित हो सकेंगे यह अध्ययन प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु उपयोगी होगा।

SEC

COURSE CODE: HIND 1051

Course Title:

(For the students with hindi major)

विज्ञापन और हिंदी

(Vigyapan aur Hindi)

Course Objective- बाजार, विज्ञापन और वाणिज्य की जानकारी, विज्ञापन वर्गीकरण, हिंदी में विज्ञापन निर्माण, प्रसार और प्रभाव का अध्ययन विश्लेषण।

CREDIT- 3

(LECTURE- 2, Tutorial- 1)

Full Marks: 50

(Theory 40, Internal Assessment 10)

इकाई - 1. विज्ञापन: परिभाषा एवं स्वरूप (11 Hours)

इकाई - 2. विज्ञापन: वर्गीकरण एवं उद्देश्य (11 Hours)

इकाई - 3. विज्ञापन एजेंसियां और उद्योग: अंतर्संबंध (11 Hours)

इकाई - 4. विज्ञापन की भाषा और हिंदी (12 Hours)

Course Learning Outcome- विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनों के अध्ययन विश्लेषण का अवसर मिलेगा तथा इन क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने की दक्षता।

सहायक ग्रंथ:

1. मीडिया लेखन कला: सूर्यप्रकाश दीक्षित
2. मीडिया लेखन: डॉ. यू. सी. गुप्ता
3. व्यवहारिक पत्रकारिता: डॉ. यू. सी. गुप्ता
4. मीडिया लेखन और संपादन कला: गोविंद प्रसाद
5. जनसम्पर्क, स्वरूप और सिद्धान्त: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
6. विज्ञापन: भाषा और संरचना: रेखा सेठी

SEMESTER- II

MAJOR

COURSE CODE: HIND 2011

Course Title:

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(Hindi Sahitya Ka Itihas Adhunik kaal)

Course Objective- हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विशेषता, हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों, वादों से परिचित हो पायेंगे तथा आधुनिककालीन सभी विधाओं का इतिहास जान सकेंगे।

CREDIT - 4

(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)

Full Marks: 75

(Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-1 (15 Hours)

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ और भारतेंदु हरिश्चन्द्र का योगदान, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' और मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक अवदान

इकाई-2 (15 Hours)

छायावाद: सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधीनता की चेतना, महात्मा गांधी का प्रभाव, अंतर्धाराएँ, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा छायावादी कवियों- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाएँ

इकाई-3 (15 Hours)

प्रगतिवाद: पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की प्रमुख रचनाएँ

प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और विजयदेव नारायण साही की प्रमुख रचनाएँ

इकाई-4 (15 Hours)

नई कविता: स्वरूप और प्रवृत्तियाँ, भवानी प्रसाद मिश्र और जगदीश गुप्त की प्रमुख रचनाएँ

समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ, रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह और अनामिका की प्रमुख रचनाएँ

हिंदी निबंध, नाटक, कहानी, उपन्यास और आलोचना का उद्भव और विकास

Course Learning Outcome- इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विशेषता को जान सकेंगे। हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों और वादों से परिचित हो पायेंगे तथा आधुनिककालीन सभी विधाओं का इतिहास जान सकेंगे। विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कर सकेंगे।

सहायक ग्रंथः

1.आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण: रमेश कुन्तल मेघ

2.छायावाद: नामवर सिंह

3.आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ: नामवर सिंह

4.हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास: सुमन राजे

5.साहित्य का इतिहास दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा

6.हिन्दी साहित्य की भूमिका: हजारीप्रसाद द्विवेदी

7.हिन्दी साहित्य का इतिहास: (सं) डॉ. नगेन्द्र

8.हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ: शिव कुमार शर्मा

9.हिन्दी साहित्य: हजारीप्रसाद द्विवेदी

10.इतिहास और आलोचना: नामवर सिंह

11.साहित्य और इतिहास-दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय

12.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

13.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

14.भारतेन्दु हरिशचन्द्र: नये संदर्भ की तलाश: श्रीनारायण पाण्डेय

15.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

16.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

17.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त्त बुक्तस

18.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

19.हिन्दी गद्य: स्वरूप और संवेदना: रामस्वरूप चतुर्वेदी

20.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

21.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

22.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

23.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

24.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

25.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

26.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त्त बुक्तस

27.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

28.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

29.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

MINOR

COURSE CODE: HIND 2021

Course Title:

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(Hindi Sahitya Ka Itihas Adhunik kaal)

Course Objective- हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विशेषता, हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों, वादों से परिचित हो पायेंगे तथा आधुनिककालीन सभी विधाओं का इतिहास जान सकेंगे।

CREDIT - 4

(LECTURE- 3, TUTORIAL -1)

Full Marks: 75

(Theory 60, Internal Assessment 15)

इकाई-1 (15 Hours)

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युगीन काव्य-प्रवृत्तियाँ और भारतेंदु हरिश्चन्द्र का योगदान, महावीर प्रसाद द्विवेदी, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' और मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक अवदान

इकाई-2 (15 Hours)

छायावाद: सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधीनता की चेतना, महात्मा गांधी का प्रभाव, अंतर्धाराएँ, राष्ट्रीय काव्यधारा, छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा छायावादी कवियों- जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाएँ

इकाई-3 (15 Hours)

प्रगतिवाद: पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, केदारनाथ अग्रवाल और नागार्जुन की प्रमुख रचनाएँ

प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियाँ, हीरानंद सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और विजयदेव नारायण साही की प्रमुख रचनाएँ

इकाई-4 (15 Hours)

नई कविता: स्वरूप और प्रवृत्तियाँ, भवानी प्रसाद मिश्र और जगदीश गुप्त की प्रमुख रचनाएँ

समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ, रघुवीर सहाय, केदारनाथ सिंह और अनामिका की प्रमुख रचनाएँ

हिंदी निबंध, नाटक, कहानी, उपन्यास और आलोचना का उद्भव और विकास

Course Learning Outcome- इस पत्र के अध्ययन के उपरांत छात्र हिन्दी साहित्य के आधुनिककाल की विशेषता को जान सकेंगे। हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों और वादों से परिचित हो पायेंगे तथा आधुनिककालीन सभी विधाओं का इतिहास जान सकेंगे। विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त ज्ञान का उपयोग वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कर सकेंगे।

सहायक ग्रंथः

1.आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण: रमेश कुन्तल मेघ

2.छायावाद: नामवर सिंह

3.आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ: नामवर सिंह

4.हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास: सुमन राजे

5.साहित्य का इतिहास दर्शन: नलिन विलोचन शर्मा

6.हिन्दी साहित्य की भूमिका: हजारीप्रसाद द्विवेदी

7.हिन्दी साहित्य का इतिहास: (सं) डॉ. नगेन्द्र

8.हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृतियाँ: शिव कुमार शर्मा

9.हिन्दी साहित्य: हजारीप्रसाद द्विवेदी

10.इतिहास और आलोचना: नामवर सिंह

11.साहित्य और इतिहास-दृष्टि: मैनेजर पाण्डेय

12.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

13.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

14.भारतेन्दु हरिशचन्द्र: नये संदर्भ की तलाश: श्रीनारायण पाण्डेय

15.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

16.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

17.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त्त बुक्तस

18.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

19.हिन्दी गद्य: स्वरूप और संवेदना: रामस्वरूप चतुर्वेदी

20.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

21.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

22.हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी

23.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: रामकुमार वर्मा

24.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: बच्चन सिंह

25.द फिलॉसफी ऑफ आर्ट-हिस्ट्री: राउटलेन एण्ड के. पॉल

26.एरोज इन द हिस्ट्री ऑफ आयडियाज: केप्रीकार्त्त बुक्तस

27.द हिस्ट्री ऑफ लिटरेचर (हिस्ट्री): एलेन लेन

28.साहित्येतिहास: संरचना और स्वरूप: सुमन राजे

29.हिन्दी गद्य का विकास: रामचन्द्र तिवारी

MULTI / INTERDISCIPLINARY

COURSE CODE: HIND 2031

Course Title:

हिंदी कहानी

(HINDI KAHANI)

Course Objective- हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगे तथा हिन्दी की कुछ विशेष कहानियों की विशेषता जान सकेंगे।

CREDIT- 3

(LECTURE- 3)

Full Marks: 50

(Theory 40, Internal Assessment 10)

इकाई-1: (11 Hours)

उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी, पूस की रात- प्रेमचंद

इकाई-2: (11 Hours)

पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद, दृष्टिकोण- सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई-3: (11 Hours)

रोज- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', चीफ की दावत- भीष्म साहनी

इकाई-4: (12 Hours)

अपना रास्ता लो बाबा- काशीनाथ सिंह, सलाम- ओमप्रकाश वाल्मिकी

Course Learning Outcome- हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित होंगे तथा हिन्दी की कुछ विशेष कहानियों के बारे में उनकी विशेषता सहित जान सकेंगे। विशेष- अध्ययन के उपरांत प्राप्त जानकारी का उपयोग कर के विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकेंगे।

सहायक ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी: उद्भव और विकास: सुरेश सिन्हा
2. कहानी की बात: मार्कण्डेय
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना: राजेन्द्र यादव

4. कहानी नयी कहानी: नामवर सिंह
5. नयी कहानी की भूमिका: कमलेश्वर
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति: सं. देवीशंकर अवस्थी
7. एक दुनिया समानांतर: सं. राजेन्द्र यादव
8. हिन्दी कहानी: प्रक्रिया और पाठ: सुरेन्द्र चौधरी
9. आज की कहानी: विजयमोहन सिंह
10. कथा-समय: विजयमोहन सिंह
11. समकालीन हिन्दी कहानी: पुष्पपाल सिंह
12. कहानी में अनुपस्थित: गौतम सान्याल
13. अंतिम दशक की हिंदी कहानियाँ: संवेदना और शिल्प- डॉ. नीरज शर्मा
14. कथा-विवेचन और गद्य-शिल्प: रामविलास शर्मा
15. हिन्दी कहानी: पहचान और परख: इन्द्रनाथ मदान
16. हिन्दी कहानी का विकास: मधुरेश
17. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय: यदुनाथ सिंह
18. हिन्दी कहानी: आठवां दशक: सरबजीत
19. कुछ कहानियाँ: कुछ विचार: विश्वनाथ त्रिपाठी
20. वर्तमान साहित्य, संयुक्तांक 1-2, शताब्दी कथा विशेषांक: पुष्पपाल सिंह

SEC

COURSE CODE: HIND 2051

Course Title:

अनुवाद विज्ञान

(Anuvad Vigyaan)

Course Objective- अनुवाद की सैधांतिक समझ और माध्यमों का विशलेषणात्मक ज्ञान तथा अनुवाद के क्षेत्रों की समझ।

CREDIT - 3

(LECTURE- 3)

Full Marks: 50

(Theory 40, Internal Assessment 10)

इकाई-1: (11 Hours)

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और क्षेत्र

इकाई-2: (11 Hours)

भारत में अनुवाद की परम्परा

इकाई-3: (11 Hours)

अनुवाद- प्रकृति और प्रकार, अनुवाद - महत्त्व और सीमाएँ

इकाई-4: (12 Hours)

हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद

Course **Learning** Outcome- अनुवाद की सैधांतिक समझ, अनुवाद जगत के विशलेषण की क्षमता तथा अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

सहायक ग्रंथ:

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और अनुप्रयोग: संपादक डॉ॰ नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा: सुरेश कुमार
3. अनुवाद विविध आयाम: मा०गो० चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी

4. अनुवाद कला कुछ विचार: आनंद प्रकाश खेमाज
5. अनुवाद विज्ञान: भोलानाथ तिवारी
6. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और प्रयोग: राजमणि शर्मा
7. अनुवाद विज्ञान सिद्धान्त और प्रविधि: भोलानाथ तिवारी
8. अनुवाद विज्ञान की भूमिका: कृष्ण कुमार गोस्वामी